भारत गणराज्य के राष्ट्रपति के रूप में पांच वर्ष के कार्यकाल के दौरान श्री कोविंद ने इस सर्वोच्च पद की गरिमा और शालीनता को नव-उत्कर्ष प्रदान किया है: लोक सभा अध्यक्ष

...

जनहित के महत्वपूर्ण मुद्दों के लिए राष्ट्रपति जी की अटूट प्रतिबद्धता, लोकसेवा के प्रति उनके समर्पण का प्रमाण है: लोक सभा अध्यक्ष

...

राष्ट्रपति जी ने राष्ट्र निर्माण में महिलाओं की अधिक भागीदारी, समाज के वंचित वर्गों के लिए अधिक अवसरों के सृजन जैसे विषयों पर निरंतर बल दिया: लोक सभा अध्यक्ष

...

श्री कोविंद को सभी दलों के नेताओं का पूर्ण सहयोग मिला है तथा सभी सदस्य उनको संवैधानिक मूल्यों एवं आदर्शों के संरक्षक के रूप में देखते हैं: लोक सभा अध्यक्ष

...

लोक सभा और राज्य सभा के सांसदों ने आज संसद भवन के केन्द्रीय कक्ष में आयोजित एक समारोह में भारत के राष्ट्रपति श्री राम नाथ कोविंद को विदाई दी।

...

नई दिल्ली, 23 जुलाई, 2022: लोक सभा और राज्य सभा के सांसदों ने आज संसद भवन के केन्द्रीय कक्ष में आयोजित एक समारोह में भारत के राष्ट्रपति श्री राम नाथ कोविंद को विदाई दी।

भारत के उप राष्ट्रपति और राज्य सभा के सभापति श्री एम वेंकैया नायडू; प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी; लोक सभा के अध्यक्ष श्री ओम बिरला; और संसद के दोनों सदनों के सदस्य समारोह में उपस्थित रहे।

इस अवसर पर श्री बिरला ने कहा कि भारत की संसद के दोनों सदनों के सदस्यों के लिए यह गर्व का अवसर है जब वे राष्ट्र की ओर से श्री कोविंद के प्रति कृतज्ञता, सम्मान, श्रद्धा और साधुवाद व्यक्त करने के लिए एकत्रित हुए हैं। श्री बिरला ने आगे कहा कि भारत गणराज्य के राष्ट्रपति के रूप में पांच वर्ष के कार्यकाल के दौरान श्री कोविंद ने इस सर्वोच्च पद की गरिमा और शालीनता को नव-उत्कर्ष प्रदान किया है तथा इसके लिए सभी संसद सदस्य अपना आभार प्रकट करते हैं।

श्री बिरला ने श्री कोविंद की जन सेवा की लंबी यात्रा और संसद से उनके पुराने रिश्तों का उल्लेख करते हुए कहा कि शिक्षा सशक्तीकरण की भावना से संसद सदस्य के रूप में श्री कोविंद ने ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा के प्रसार के साथ-साथ उच्च शिक्षा के क्षेत्र में बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराने और उनकी गुणवत्ता बढ़ाने पर

बल दिया। राष्ट्र निर्माण में महिलाओं की अधिक से अधिक भागीदारी और समाज के वंचित वर्गों, विशेष रूप से दिव्यांगों और अनाश्रितों के लिए अधिक अवसरों के सृजन जैसे विषयों पर निरंतर बल दिया । श्री बिरला ने आगे कहा कि जनहित के महत्वपूर्ण मुद्दों के लिए राष्ट्रपति जी की अटूट प्रतिबद्धता, लोकसेवा के प्रति उनके समर्पण का प्रमाण है।

श्री बिरला ने आगे कहा कि संसद में दिए गए राष्ट्रपति श्री कोविंद जी के अभिभाषण उनकी दूरदर्शिता, देश के समक्ष उपस्थित राजनीतिक एवं सामाजिक विषयों की गहरी समझ एवं उनके समाधान हेतु उनकी स्पष्ट सोच को प्रदर्शित करते हैं। उनके अभिभाषणों ने सभी दलों को समान रूप से प्रेरित किया है और उनके दायित्वों के प्रति जागृत किया है। यही कारण है कि श्री कोविंद को सभी दलों के नेताओं का पूर्ण सहयोग मिला है तथा सभी सदस्य उनको संवैधानिक मूल्यों एवं आदर्शों के संरक्षक के रूप में देखते हैं। श्री बिरला ने आगे कहा कि भारतीय संविधान के सिद्धांतों का अक्षरशः पालन, राजनीतिक निष्पक्षता के लिए श्री कोविंद की प्रतिबद्धता और राष्ट्रपति भवन को आम नागरिकों के लिए सुलभ बनाने जैसे अनुकरणीय कार्य आने वाली पीढ़ियों को सदैव प्रेरित करते रहेंगे।

श्री बिरला ने श्री कोविंद की उत्तर प्रदेश के कानपुर जिले के एक छोटे से गाँव परौंख से भारत के राष्ट्रपति के शीर्ष पद तक पहुँचने की अतुलनीय यात्रा को भारत के लोकतन्त्र की अद्भुत एवं प्रेरक उपलब्धि बताया। श्री बिरला ने आगे कहा कि राष्ट्रपति जी ने राष्ट्रहित तथा जन-सामान्य के कल्याण को लक्षित करके किए गए कार्यों से यह सिद्ध किया है कि वह एक बहुआयामी तथा संवेदनशील जन-सेवक हैं।

इस अवसर पर राष्ट्रपति जी को एक हस्ताक्षर पुस्तक भेंट की गई।